घनश्याम मेठी
लेखक एवं साहित्यकार

✲ राष्ट्रीय संरक्षक सदस्य : वैश्य महासम्मेलन
✲ राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य : वैश्य महासम्मेलन
✲ संगठन मंत्री : वैश्य महासम्मेलन, राजस्थान
✲ जिलाध्यक्ष : दौसा जिला जन सतर्कता समिति
✲ जिलाध्यक्ष : अन्तर्राष्ट्रीय मारवाडी सम्मेलन
✲ डायरेक्टर : राष्ट्रीय भ्रष्टाचार टाईगर्स संस्थान, जिला-दौसा
✲ संगठन मंत्री : गायत्री परिवार, दौसा

ऑफिस : C/o मेठी ट्रेडर्स, नई मण्डी रोड़, दौसा (राज.) Ph. 01427-231787 (O), 01427-230387 (R). Mob. 9414042787

क्रमांक

!! श्री !!

दिनांक ....

संदेह दाम्पत्य जीवन में जहर घोलता है

संदेह, शंका, बहम, डर ये अन्तर मन की निर्थक कल्पनायें है जो नकारात्मक सोच को उत्पन्न करती है। शंकालु व्यक्ति हर पल दिन में पचास बार अनगिनत तरह के डर अपने मन में पाले रखता है। अगर मै फला जगह जाऊंगा तो मेरा कोई एक्सीडेन्ट तो नही कर देगा। आज का दिन मेंरे लिये ठीक नही, आज अमावस्य है, इस दिन कोई काम नही करना चाहिये। व सोचेगा बरसात में बाहर निकलेगा तो बिजली पड सकती है इत्यादि अनेक प्रकार की शंका डर पाले रहता है।

ठीक इसी प्रकार संदेह यह भी अन्तर्मन की नकारात्मक सोच की उपज है हर सही काम को संदेह की दृष्टि से देखता है हर घटना के दो पहलु है नकारात्मक व सकारात्मक लेकिन संदेहशील व्यक्ति नकारात्मक ज्यादा सोचता है और सकारात्मक कम सोचता है। ऊपर लिखे गये उदाहरण के मूल में यह है कि छोटे-छोटे संदेह परिवार में समाज में दोस्तो में दरार का काम करते है और झगडे के कारक होते है। बाद में पता चलता यह सब बहम थे और अनायास ही मैने कितनों का दिल दुखाया और कितनो से दोस्ती तोडी और अन्त में वह स्वयं ही पश्ताता है।

शंका, बहम, डर का मूल कारण पता चला सके तो यह एक ही नकारात्मक सोच रूपी पिता की संतान है यह भय व शंकाये मन को ओर भी कष्ट देती है। आत्मबल के व्यक्ति व स्त्री को भी जीवन के रस को निचोडकर सारे जीवन की ऊर्जा व खुशी को छीन लेते है। अब मूल संदेह पर आते है तो जब मनुष्य की शादी होती है तो पति-पत्नि में अथाह प्रेम एक दूसरे के प्रति सर्म्पण एक दूसरे के प्रति सर्म्पण त्याग व सहयोग की भावना रहती है व जीवन सुख से गुजरता है। एक दूसरे को देखे बिना मन को सकुन नही मिलता परन्तु आज की इस भागम-भाग जिन्दगी में दूषित वातावरण से मनुष्य की सोच को डामा डोल कर दिया है। आज पति व पत्नि दोनो पढे लिखे होने के कारण सर्विस करते है अब अगर ऑफिस 5 बजे बंद होता और पत्नि 7 बजे घर आती है और ऑफिस से घर का रास्ता आधा घण्टे का होता है तो संदेही मनुष्य सोचता है कि पत्नि डेड घण्टे कहां गयी तरह-तरह के विचार उसके दिमाग में उठते है। छुट्‌टी के दिन उसके ऑफिस का अधिकारी औपचारिक तौर पर घर आ जाता है तो पत्नि का कर्तव्य बनता है कि उसके बोस का प्रसन्नता के साथ उसकी मेहमान नवाजी करे तो पति को संदेह होता है कि उसकी पत्नि बोस का बडी प्रसन्नता के साथ भगभग कर नाश्ता या भोजन तैयार कर रही है तो संदेहशील पति मन में कुडन पैदा कर लेता है इसके अलावा कोई मेहमान घर में आता है और उसकी पत्नि हँसके बात करती है तो उसको जलन शुरू हो जाती है। वर्षा या साधनों के अभाव में पत्नि ऑफिस से दो घण्टे लेट आती है तो पति का पारा 40 डिग्री पहुंच जाता है और नये-नये संदेह उत्पन्न करता है उसके चरित्र के बारे में उल्टे सुल्टे बिचार करता है यह भी नही पूछता कि देर से आने का क्या कारण रहा और मन ही मन अन्दर से कुडता रहता है व भाषा में पत्नि के ऊपर व्यग्यं के तीर छोडता है तथा अपने जीवन में कुण्ठा व निराशा को धीरे-धीरे प्रवेश करने का अवसर देता है कई बार तो बिना सोचे समझे क्रोध की भाषा में सीधा-सीधा पत्नि पर लांछन लगा देता है। पत्नि की एक बात नही सुनता। ठीक इसी प्रकार संदेहशील पत्नि भी इन्ही सामान्य कारणों पर पति पर संदेह करती है उलजलूल आरोप लगाती है इस तरह जीवन में कलह व अशांति का वातावरण पैदा हो जाता है व मन में एक बार खटास आने पर समस्या का बडा रूप हो जाता है और आये दिन पति-पत्नि में खटपट व वाक युद्व छिडते-छिडते एक दूसरे का सम्मान और आदर की भी सीमा टूट जाती है। और कहीं-कहीं तो तलाक तक की नौबत आ जाती है। संदेह जब गहरा होता है तो दोनो एक दूसरे की बात सुनने को तैयार नही होते व अपने खुशाल जीवन को बेसिर पैर की बातों में बर्बाद करते चले जाते है। जबकि होना यह चाहिये कि आपको किसी तरह का कोई शंका या संदेह है तो प्यार से उसकी वजह पूछ लेनी चाहिये तो आपकों सही व गलत का पता लग जायेगा व वेवजह की पेरशानी से बच जाओंगें व वापिस वही वातावरण पैदा हो जायेगा जो पहले था। अगर कहीं चूक भी हो तो खुलकर

घनश्याम मेठी

लेखक एवं साहित्यकार

✲ राष्ट्रीय संरक्षक सदस्य : वैश्य महासम्मेलन
✲ राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य : वैश्य महासम्मेलन
✲ संगठन मंत्री : वैश्य महासम्मेलन, राजस्थान
✲ जिलाध्यक्ष : दौसा जिला जन सतर्कता समिति
✲ जिलाध्यक्ष : अन्तर्राष्ट्रीय मारवाडी सम्मेलन
✲ डायरेक्टर : राष्ट्रीय भ्रष्टाचार टाईगर्स संस्थान, जिला-दौसा
✲ संगठन मंत्री : गायत्री परिवार, दौसा

ऑफिस : C/o मेठी ट्रेडर्स, नई मण्डी रोड़, दौसा (राज.) Ph. 01427-231787 (O), 01427-230387 (R). Mob. 9414042787

क्रमांक

दिनांक ....

पति–पत्नि को आपस में बता देनी चाहिये तो प्रेम व स्नेह के धागें में गांठ नही पडेगी। पति–पत्नि दोनो का कर्तव्य है की किसी भी किमत पर एक दूसरे से झूठ नही बोले तो सारी समस्याओं स्वतः ही हल निकल जायेगा जो संदेह का कारण बनती है। तो इस लेख के माध्यम से यह संदेश है कि बिना वजह किसी पर संदेह न करे और कोई संदेह हो तो खुलकर बात चीत करे तो संदेह दूर हो जायेगा व परिवार में कलह व अशांति व तलाक की समस्यायें का निदान हो सकेगा। कहा गया है सांच को आंच नही सत्य ही अकेला अनेक झूठो का इलाज कर सकता है। सत्य के सामने संदेह, इर्ष्या, देष, घृणा टीक नही सकते। गाँधी जी ने तो सत्य को ही ईश्वर माना है सत्य आत्मबल मनोबल प्रसन्नता खुशाली एवं सम्पन्नता का कारक होता है। कोई भी धन्धा करों या नौकरी करो तो असत्य का सहारा मत लो। आपके जीवन में कभी बाधा व समस्यायें नही होगी। व झूठे संदेह से बचोगें यही इस लेख का संदेश है।

आपका स्नेही घनश्याम मेठी दौसा(राज.)
(लेखक व साहित्यकार)
मो.नं. 9414042787